B.A. III (Hons) Sub - Philosophy

Paper - VI (Group-B)

Topic — Sarvodaya (सर्वोदय)

'सर्वोदय' का अर्थ सबका उदय, सबका उत्कर्ष या विकास होता है। समाज के सभी व्यक्तियों एक समान उत्थान/विकास होना ही 'सर्वोदय' है। यह कोई वाद न होकर सामाजिक आदर्शों का सम्प्रत्यय है। भारत के लिए विचार सदियों पुराना है 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया:'। आधुनिक युग में 'सर्वोदय' को महात्मा गाँधी ने नए ढंग से एवं सफल रूप से प्रतिपादित किया है। उन्होंने रस्किन की पुस्तक 'अंटु दि लास्ट' का अनुवाद किया और इसका नाम 'सर्वोदय' दिया। गाँधी के बाद उनके अनुयायी तथा सहकर्मी संत विनोबा ने इस आदर्श को विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा मूर्त रूप प्रदान किया।

'सर्वोदय' शब्द में सर्व का व्यापक अर्थ होता है। इसके अन्तर्गत जगत के सभी प्राणियों का समावेश हो जाता है। मानव समाज के दृष्टिकोण से इसका अर्थ सभी मानव जीव का अभ्युदय माना जा सकता है

गाँधी जी का सर्वोदय पाश्चात्य सुखवादियों से भिन्न एवं श्रेष्ठतर है। बैंथम और मिल जैसे सुखवादी अधिक लोगों के अधिकतम सुख पर जोर देता है। समाज के सभी वर्ग, सभी व्यक्ति, सभी भाषा सभी धर्म सभी साहित्य सभी राज्य, सबका समान अभ्युदय ही 'सर्वोदय'

का आदर्श है। इस प्रकार का आदर्श रामराज्य में स्पष्ट दीख पड़ता है। गाँधी पुनः रामराज्य की स्थापना में अटूट विश्वास रखते हैं।

गाँधी का सर्वोदय हीगेल के उस मत का भी खण्डन करता है जिसमें कहा गया है 'जीने के लिए मरो'। इस उक्ति में अपने जीने के लिए अपनी स्वर्ग की बली देने की भी बात की गई है। सर्वोदय इसके विपरीत दूसरों को जिलाने के लिए अपनी आहुति चढ़ाने का आदर्श प्रस्तुत करता है।

सर्वोदय का सर्व संस्थात्मक होने के साथ-साथ गुणात्मक भी है। सबों के सर्वांगीण विकास पर जहाँ जोर दिया जाता है। आत्मपूर्णता ही सर्वांगीण विकास है। व्यक्ति की समस्त क्षमताओं का पूर्ण विकास ही सर्वोदय का लक्ष्य है। गाँधी के अनुसार सर्वोदय का प्रमुख लक्ष्य वर्गविहीन श्रेणीविहीन एवं राज्यविहीन समाज की स्थापना है। संत विनोबा के शब्दों में "सब जो भूमि है ईश्वर की" निश्चित ही सबों को समान सुविधा दिलाने का आश्वासन देता है। प्रकृति या ईश्वर ने सबों को हवा पानी प्रकाश आदि की समान सुविधा प्रदान की है। अतः सबों को विकास का समान अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए विनोबा ने हृदय-परिवर्तन को महत्वपूर्ण बताया

गाँधी का ईश्वर तथा आत्मा के संबंध में विचार ही 'सर्वोदय' का मूल आधार है।

इनके अनुसार ईश्वर ही परम तत्व है जो सभी प्राणियों एवं वस्तुओं में व्याप्त है। ईश्वर विश्व के कण-कण में व्याप्त है। ऐसी स्थिति में एक प्राणी और व्यक्ति का भी अहित होना सर्वथा अनुचित है। एक व्यक्ति का हित दूसरे व्यक्ति का विरोधी नहीं हो सकता। इसीलिए सर्वोदय की बात कही जाती है। आत्मिक एकता के कारण एक व्यक्ति का हित दूसरों के ~~किसी~~ हित का विरोधी नहीं माना जा सकता है।

मार्क्स ने भी वर्गहीन, शोषणहीन एवं राज्यविहीन समाज की कल्पना की थी। परन्तु गाँधी के सर्वोदय तथा मार्क्सवाद में एक बड़ा अन्तर है। मार्क्सवाद केवल साध्य पर ध्यान देता है और साधन की पूर्ण उपेक्षा कर देता है। मार्क्स के अनुसार साध्य या लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यहाँ कोई भी साधन (अच्छा या बुरा) अपनाया जा सकता है यही कारण है कि मार्क्सवाद में हिंसा का मार्ग अपनाना कोई अनुचित नहीं बतलाया गया है। 'सर्वोदय' इससे भिन्न है। यहाँ साध्य के साथ-साथ साधन की पवित्रता पर भी ध्यान दिया गया है। महान साध्य की प्राप्ति के लिए हिंसा या कोई अन्य बुरा साधन अपनाना

सर्वथा अनुचित है। इसीलिए गाँधी और विनोबा ने सर्वोदय में सत्य, अहिंसा, प्रेम, हृदय-परिवर्तन आदि को सर्वाधिक महत्व दिया है। उच्च लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निम्न स्तर के साधन अपनाने की सख्त मनाही की गई है। साधन की अपवित्रता साध्य को भी अपवित्र बना सकती है। अतः सर्वोदय तथा मार्क्सवाद में महत्वपूर्ण अन्तर है।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि सर्वोदय के व्यावहारिक पक्ष पर विचार करने से ऐसा दीख पड़ता है कि समाज ने इस 'सर्वोदय' के आदर्श को उस हद तक नहीं अपनाया जितनी गाँधी तथा विनोबा की अपेक्षा रही होगी। इसके अनेक कारण हो सकते हैं। 'सर्वोदय' एक आध्यात्मिक संदेश है। इस भौतिकवादी एवं स्वार्थलोलुप समाज में इसे पूर्ण समर्थन न मिलना सहज एवं स्वाभाविक है। फिर भी, राजनीति और अर्थशास्त्र को नीति से नियंत्रित करने का संदेश आज भी विश्व में जोर पकड़ता जा रहा है। अतः ऐसा नहीं कहा जा सकता कि सर्वोदय आधुनिक युग

Scanned with CamScanner

में महत्व नहीं रखता। आज भी अनेक इसे मार्गदर्शक के रूप में अपनाकर विश्व में शान्ति एवं भ्रातृत्व भाव फैलाने में सतत प्रयत्नशील है। भारत इसका ज्वलंत उदाहरण है। अतः 'सर्वोदय' की महत्ता आज और अधिक बढ़ गई है।

Dr. Sanjay Ram
Dept. of Philosophy
D. K. College, Dumraon

Scanned with CamScanner